

सत्संग वह गंगा है जिसमे जो नहाते है भजन लिरिक्स



सत्संग वह गंगा है,
जिसमे जो नहाते है,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमे जो नहाते है,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते है,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते है,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमे जो नहाते है,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते है,
बोलो राम राम राम,
बोलो श्याम श्याम श्याम।bd।

ऋषियों और मुनियो ने,
इसकी महिमा गाई,
ऋषियों और मुनियो ने,
इसकी महिमा गाई,
सत्संग ही जीवन है,
ये बाते समझाई,
सत्संग ही जीवन है,
ये बाते समझाई,
ये वेद बताते है,
ये ग्रंथ बताते है,
ये वेद बताते है,
ये ग्रंथ बताते है,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते है,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमे जो नहाते है,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते है,
बोलो राम राम राम,
बोलो श्याम श्याम श्याम।bd।

शब्दों के मोती है,
सत्संग के सागर में,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप इसे मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सत्संग के सागर में,
सुख ही सुख मिलता है,
इस सुख के सरोवर में,
सुख ही सुख मिलता है,
इस सुख के सरोवर में,
इस ज्ञान सरोवर में,
जो डुबकी लगाते हैं,
इस ज्ञान सरोवर में,
जो डुबकी लगाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमें जो नहाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
बोलो राम राम राम,
बोलो श्याम श्याम श्याम।

इस तीर्थ से बढ़कर,
कोई तीर्थ धाम नहीं,
इस तीर्थ से बढ़कर,
कोई तीर्थ धाम नहीं,
दुख क्लेश का संतो,
यहां कोई काम नहीं,
दुख क्लेश का संतो,
यहां कोई काम नहीं,
आते हैं भगत जो भी,
वो ही सुख पाते हैं,
आते हैं भगत जो भी,
वो ही सुख पाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमें जो नहाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
बोलो राम राम राम,
बोलो श्याम श्याम श्याम।

सत्संग वह गंगा है,
जिसमें जो नहाते हैं,
सत्संग वो गंगा है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
सत्संग वो गंगा है,
जिसमे जो नहाते हैं,
पापी से पापी भी,
पावन हो जाते हैं,
बोलो राम राम राम,
बोलो श्याम श्याम श्याम।

गायक – परमानंद सरस्वती जी ।
प्रेषक – पुखराज जी पटेल ।
9784417723